

रायसेन में हुई संत शिरोमणि रविदास की मूर्ति स्थापित

मुख्यमंत्री मूर्ति स्थापना समारोह में वर्चुअली शामिल हुए

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने अपने जीवन में धर्म के साथ कर्म को भी प्रधानता दी। उनके उपदेश आज भी समाज का मार्गदर्शन करते हैं। मध्यप्रदेश सरकार समाज की पथ-प्रदर्शक विभूतियों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे जल्दी ही रायसेन पहुंचकर संत रविदास की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा रायसेन में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की मूर्ति स्थापना समारोह को संबोधित कर रहे थे।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संत रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में देश में समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत विकास शिविर, यात्राएं गत जुलाई से आयोजित की जा रही हैं, जो आगामी फरवरी माह तक

चलेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में युवा, महिला, गरीब, किसान वर्ग के कल्याण के साथ ही सामाजिक समरसता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संतों ने सदैव समाज

को बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया है। संत रविदास जी के शब्द थे - ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न। छोट-बड़ो सब सम बसे, रविदास रहे प्रसन्न। इसके साथ ही प्रभु जी तुम चंदन हम पानी जाकि अंग अंग बास सामानी के माध्यम से भक्त और भगवान के घनिष्ठ संबंध की ओर इंगित किया है। संत रविदास का मानना था कि प्रभु आप चंदन हैं और मैं पानी हूं। जिस प्रकार पानी में चंदन मिलने से पानी के प्रत्येक अंग में चंदन की महक शामिल हो जाती है। उसी तरह आपकी भक्ति से मेरा अंग-अंग पावन और आनंदित हो गया है। यह ईश्वर की प्रति अगाध प्रेम और आत्मीयता का प्रमाण है। इसी तरह मन चंगा तो कठौती में गंगा की कहावत भी संत रविदास ने दी। इसका आशय यह है कि यदि व्यक्ति का मन कार्य में शद्ध भावना से पूरी तरह लगा है तो चमड़ा भिगोने के बर्तन (कठौती) में भी गंगा प्रकट हो सकती है।

पीएम मोदी ने बताया इसरो का मिशन

2035 तक अपना स्पेस स्टेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार, 10 सितंबर को पेरिस में इंटरनेशनल स्पेस समिट को वीडियो



● **2040 तक चंद्रमा पर भारतीय**

कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित सुरक्षित और टिकाऊ स्पेस डोमेन का समर्थन करता है। स्पेस की संभावनाएं असीमित हैं और हमारी जिम्मेदारी सामूहिक है।

● स्पेस के क्षेत्र में कीर्तिमान रच रहा भारत- प्रधानमंत्री मोदी ने स्पेस में भारत की उपलब्धियों के बारे में बात करते हुए कहा, चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बना दिया है। आदित्य रा सूरज के रहस्यों को उजागर कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा, इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) की टेक्नोलॉजी और पार्टनरशिप न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया के काम आती हैं। इस वैश्विक भरोसे के पीछे भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और टेक्नीशियनों की कई पीढ़ियों का समर्पण और कड़ी मेहनत है। दिन-रात काम करते उन्होंने इसरो की प्रतिष्ठा बनाई है। प्रधानमंत्री ने स्पेस में भारत के भविष्य को लेकर कहा, पिछले साल, एक भारतीय ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन का दौरा किया। आगे देखते हुए, हमारा लक्ष्य 2035 तक एक भारतीय स्पेस स्टेशन स्थापित करना और 2040 तक एक भारतीय को चंद्रमा पर भेजना है।

इकलौती बहन बोली- 'मेरे पास टाइम नहीं'

कुरुक्षेत्र के अनाथ आश्रम संचालक ने किया माई का अंतिम संस्कार

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हाल ही में सोनीपत से खून के रिश्तों की संवेदनशीलता को झकझोर देने वाली खबर सामने आई थी। तीन बेटियों ने दूरी और समय का हवाला देते हुए पिता के अंतिम संस्कार में आने से मना कर दिया था। बेटियां अस्थि विसर्जन में भी नहीं पहुंची। ऐसा ही मामला कुरुक्षेत्र के एलएनजेपी अस्पताल से सामने आया है। 71 वर्षीय जुगल किशोर की मौत के बाद उनकी इकलौती बहन ने अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। अस्पताल में मौजूद बहन ने कथित तौर पर अस्थियां लेने से भी मना कर दिया। इसके बाद पिहोवा के बाबा फरीद अनाथ आश्रम ने आगे आकर जुगल किशोर का हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार किया और मंगलवार को उनकी अस्थियों का सरस्वती नदी में विसर्जन भी किया।

किसानों की समृद्धि से ही राष्ट्र की समृद्धि: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने टीकमगढ़ के बलराम कृषि महोत्सव को किया वर्चुअली संबोधित

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों की समृद्धि से ही राष्ट्र की समृद्धि होती है। मध्यप्रदेश सरकार किसानों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाकर उनकी समृद्धि बढ़ाने को प्राथमिकता दे रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बुंदेलखंड अंचल की



समृद्धि के लिए केन-बेतवा अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना की स्वीकृति प्रदान की है। उनका संकल्प है कि पर्याप्त सिंचाई से उत्पादन में वृद्धि हो और किसानों को अधिक से अधिक लाभ प्रदान किए जाएं। आने वाले समय में बुंदेलखंड अंचल की तस्वीर बदल जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को टीकमगढ़ में

आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि टीकमगढ़ में पीतल की मूर्तियां बनाने वाले शिल्पी इस क्षेत्र की पहचान हैं। इसके साथ ही कृषि क्षेत्र में टीकमगढ़ जिले में हो रहा कार्य अन्य जिलों के लिए उदाहरण बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बलराम कृषि महोत्सव में पधारे जनप्रतिनिधियों, किसानों और बहनों को श्रेष्ठ आयोजन के लिए तथा आने वाले पर्व-त्यौहारों की बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने उन्नत कृषि कार्य में लगे कृषकों को दी बधाई- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बलराम कृषि महोत्सव में आये किसानों से चर्चा की, जो उन्नत कृषि के कार्य में संलग्न हैं। उन्होंने किसानों द्वारा किए जा रहे परिश्रम और नवाचारों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री विष्णु शर्मा अनंतपुरा को सब्जी उत्पादन और पॉली हाऊस निर्माण के साथ ही गौशाला के संचालन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को श्री बालचंद्र अहिरवार ने बताया कि वे प्राकृतिक खेती कर रहे हैं, जिससे लगभग 250 किसान बंधु जुड़े हैं।

तमिलनाडु में विजय का नया सियासी दांव, TVK गठबंधन को मिला 'सेक्युलर सोशल जस्टिस विक्ट्री अलायंस' नाम

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) प्रमुख ने अपने नेतृत्व वाले गठबंधन को औपचारिक पहचान दे दी है। 9 सितंबर को चेन्नई के पनैयूर स्थित TVK मुख्यालय में हुई बैठक के बाद गठबंधन का नाम 'सेक्युलर सोशल जस्टिस विक्ट्री अलायंस' रखा गया। तमिल में इसे 'मदाचारबत्रा समाजनीति वेत्री कूटानी' कहा गया है।

इस गठबंधन में फिलहाल कांग्रेस, विदुथलाई चिरुथैगल काची (VCK), मरुमलाची द्रविड़ मुनेत्र कझगम (MDMK) और इंडियन



यूनियन मुस्लिम लीग (IUMML) शामिल हैं। गठबंधन का नाम ही विजय की राजनीतिक दिशा का संकेत दे रहा है—धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय को चुनावी पहचान बनाना। हालांकि तस्वीर पूरी तरह एकजुट नहीं है। CPI और CPI(M) के नेता इस बैठक में शामिल नहीं हुए। वाम दलों ने TVK सरकार को समर्थन देने के

बावजूद गठबंधन और मंत्रिमंडल में शामिल होने से दूरी बनाए रखने की बात कही है।

विजय के लिए यह सिर्फ गठबंधन का नाम तय करने की कवायद नहीं है। सत्ता में आने के बाद पहली बार अपने सहयोगियों को एक साझा राजनीतिक मंच के नाम से संगठित करना आगामी चुनावी रणनीति को मजबूत करने की कोशिश माना जा रहा है। कांग्रेस, VCK, MDMK और IUMML के साथ यह समीकरण तमिलनाडु की पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के बीच TVK की अलग पहचान बनाने की परीक्षा भी होगा।

32 मवेशियों को क्रूरतापूर्वक ठूसकर ले जा रहा डीसीएम ट्रक पकड़ा 15 भैंस और 17 पड़वा बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार, दो मौके से फरार

साहिल खान

सीधी। पशु तस्करी और पशुओं के साथ क्रूरता के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सीधी पुलिस ने 9 सितंबर 2026 को मुखबिर की सूचना पर ग्राम कुदरी जंगल के पास नाकाबंदी कर एक डीसीएम ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली।

वाहन क्रमांक UP 71 CT 9144 की जांच

के दौरान उसमें 15 भैंस और 17 पड़वा, कुल 32 मवेशी बेहद क्रूरतापूर्वक ठूस-ठूसकर भरे हुए मिले। मवेशियों को रस्सियों से बांधकर रखा गया था और उनके लिए हवा-पानी की भी उचित व्यवस्था नहीं की गई थी।

पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए ट्रक चालक वली खान निवासी छवारी, थाना मझौली, जिला सीधी को पकड़ लिया। वहीं इस मामले में शामिल दो अन्य आरोपी सुंदरलाल रैदास एवं

रितेश रैदास, निवासी कुदरी पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने 32 मवेशियों और डीसीएम ट्रक को जब्त कर लिया। जब्त संपत्ति की अनुमानित कीमत करीब 26 लाख रुपये बताई गई है।

बरामद मवेशियों के लिए पुलिस द्वारा चारा-पानी की व्यवस्था कराने के साथ उनका चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम एवं

मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है तथा पूरे मामले की विवेचना जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सेवेंद्र रामभगत के नेतृत्व में सउनि. दरायाम दुबे, सउनि. गुलाब सिंह, सउनि. अमेरिका दास दुबे, प्रधान आरक्षक अनिराज सिंह, प्रधान आरक्षक गणेश सिंह, आरक्षक सतीश सिंह एवं आरक्षक जगमोहन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला खनिज मद के कामों में देरी बर्दाश्त नहीं अक्टूबर तक हर हाल में पूरा करना होगा काम

पहली किश्त जारी होने के बाद भी अधूरे कार्यों पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी, समय पर काम नहीं हुआ तो निरस्त होंगे कार्य

साहिल खान

शहडोल, 10। जिला खनिज मद से स्वीकृत विकास कार्यों को लेकर प्रशासन अब सख्त नजर आ रहा है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने गुरुवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में चल रहे खनिज मद के कार्यों की विभागवार समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान उन्होंने साफ निर्देश दिए कि जिन कार्यों के लिए पहली किश्त की राशि जारी हो चुकी

है, उन्हें अक्टूबर माह तक हर हाल में पूरा कराया जाए। तय समय में काम पूरा नहीं हुआ तो ऐसे कार्यों को निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने अधिकारियों से स्वीकृत कार्यों की मौजूदा स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि राशि जारी होने के बाद निर्माण कार्यों में किसी भी तरह की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कार्यों की प्रगति के साथ-साथ उनकी गुणवत्ता पर भी नजर रखने के निर्देश दिए, ताकि खनिज मद से खर्च की जा रही राशि का लाभ संबंधित क्षेत्र के लोगों को समय पर मिल सके।

बैठक में ऐसे कार्य भी सामने रखे गए, जिन्हें पूरा किया जा चुका है। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को इन कार्यों के पूर्णता प्रमाण-पत्र जल्द जमा

कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूर्ण हो चुके कार्यों की औपचारिक प्रक्रिया भी समय पर पूरी की जाए, जिससे अभिलेखों में उनकी स्थिति स्पष्ट रहे। इस दौरान जिला खनिज मद से स्वीकृत कार्यों को लेकर लागू नई गाइडलाइन की जानकारी भी अधिकारियों को दी गई। उच्च प्राथमिकता और अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में खनिज मद से कराए जाने वाले कार्यों को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाते हुए उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम को लेकर जिला कार्यालय में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित



नवल किशोर

कटनी। इंदौर में प्रस्तावित ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम को लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय, आस्था प्लाजा बरगवां में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम को जिले के अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में तय किया गया कि कटनी जिले के विभिन्न कॉलेजों में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया जाएगा और उन्हें कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। साथ ही इंदौर में होने वाले कार्यक्रम के लाइव प्रसारण को अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंचाने तथा शहर में साउंड सिस्टम के माध्यम से प्रसारण की व्यवस्था किए जाने पर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाया जा रहा है। ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम के जरिए विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, विचारों और भविष्य से जुड़े मुद्दों को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला, ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह, महिला जिलाध्यक्ष रजनी वर्मा, राकेश गुड्डू द्विवेदी, राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, मंगल सिंह, श्याम पाहुजा, राहुल होतवानी, सुशील जायसवाल, अजय खटीक, शशांक गुप्ता, इस्तियाक अहमद, संजय गुप्ता, विवेक विरहा, शुभम मिश्रा, विकाश पाठक, आकाश ताम्रकार, राजेश निषाद, रमेश अहिरवार, रविंद्र कुदरहा एवं हर्षित मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शुक्ला ने कहा कि विद्यार्थियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उनकी समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि कटनी के अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम से जोड़ने के लिए संगठन स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह ने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कॉलेजों तक पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया जाएगा। युवाओं से जुड़े विषयों और उनकी आवाज को प्रमुखता से सामने लाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता सक्रिय रूप से काम करेंगे। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला, ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह, महिला जिलाध्यक्ष रजनी वर्मा, राकेश गुड्डू द्विवेदी, राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, मंगल सिंह, श्याम पाहुजा, राहुल होतवानी, सुशील जायसवाल, अजय खटीक, शशांक गुप्ता, इस्तियाक अहमद, संजय गुप्ता, विवेक विरहा, शुभम मिश्रा, विकाश पाठक, आकाश ताम्रकार, राजेश निषाद, रमेश अहिरवार, रविंद्र कुदरहा एवं हर्षित मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम को लेकर जिला कार्यालय में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

नवल किशोर

कटनी। इंदौर में प्रस्तावित ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम को लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय, आस्था प्लाजा बरगवां में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम को जिले के अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक में तय किया गया कि कटनी जिले के विभिन्न कॉलेजों में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया जाएगा और उन्हें कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। साथ ही इंदौर में होने वाले कार्यक्रम के लाइव प्रसारण को अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंचाने तथा शहर में साउंड सिस्टम के माध्यम से प्रसारण की व्यवस्था किए जाने पर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाया जा रहा है। ‘छात्रों की गूंज’

कार्यक्रम के जरिए विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, विचारों और भविष्य से जुड़े मुद्दों को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कहा कि विद्यार्थियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उनकी समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कटनी के

अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम से जोड़ने के लिए संगठन स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह ने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कॉलेजों तक पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया जाएगा। युवाओं से जुड़े विषयों और उनकी आवाज को

प्रमुखता से सामने लाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता सक्रिय रूप से काम करेंगे। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला, ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह, महिला जिलाध्यक्ष रजनी वर्मा, राकेश गुड्डू द्विवेदी, राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, मंगल सिंह,

श्याम पाहुजा, राहुल होतवानी, सुशील जायसवाल, अजय खटीक, शशांक गुप्ता, इस्तियाक अहमद, संजय गुप्ता, विवेक विरहा, शुभम मिश्रा, विकाश पाठक, आकाश ताम्रकार, राजेश निषाद, रमेश अहिरवार, रविंद्र कुदरहा एवं हर्षित मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्याम पाहुजा, राहुल होतवानी, सुशील जायसवाल, अजय खटीक, शशांक गुप्ता, इस्तियाक अहमद, संजय गुप्ता, विवेक विरहा, शुभम मिश्रा, विकाश पाठक, आकाश ताम्रकार, राजेश निषाद, रमेश अहिरवार, रविंद्र कुदरहा एवं हर्षित मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



नेपानगर क्षेत्र में पोला की धूम: किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राहुल जाधव ने मनाया पारंपरिक पर्व, बोले- 'पशुधन ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार'

महेन्द्र मालवीय - रणजीत टाइम्स

बुरहानपुर जिले सहित सम्पूर्ण नेपानगर में गुरुवार को किसानों का पारंपरिक और आस्था से जुड़ा पोला पर्व बेहद उत्साह, उमंग और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। खेती-किसानी के मुख्य आधार और कृषि कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बैलों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए किसानों ने सुबह से ही विशेष तैयारियां कीं।

रंग-बिरंगी सजावटी सामग्री से हुआ बैलों का श्रृंगार-पोला पर्व को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही खासा उत्साह देखने को मिला। किसानों ने सबसे पहले अपने बैलों को नहला-धुलाकर साफ-सुथरा किया। इसके



बाद रंग-बिरंगी सजावटी सामग्री से बैलों का आकर्षक श्रृंगार किया गया, सींगों को रंगा गया तथा गले में घुंघरू व घंटियां पहनाई गईं। जब सजे-धजे बैल घरों से बाहर निकले तो पूरा क्षेत्र पर्व के उल्लास में डूब गया। भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष ने भी सादगी व उत्साह से मनाया पर्व- पोला पर्व के इस पावन अवसर पर भारतीय

जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राहुल जाधव ने भी ग्रामीण परंपराओं के अनुसार अत्यंत धूमधाम और उत्साह के साथ पोला पर्व मनाया। उन्होंने विधि-विधान से बैलों की पूजा-अर्चना कर उन्हें मिष्ठान खिलाया। इस दौरान राहुल जाधव ने क्षेत्रवासियों को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए संदेश दिया कि पोला पर्व हमारी सनातन संस्कृति, कृषि

परंपरा और पशुधन के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक अनूठा प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में भी बैलों और कृषि संसाधनों के प्रति कृतज्ञता की यह परंपरा हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और प्रकृति से जुड़ाव को दर्शाती है।

खानमन्त्री की परंपरा के बाद हुई पूजा-अर्चना-ग्रामीण परंपरा के अनुसार पोला पर्व से पूर्व 'खानमन्त्री' की रस्म निभाई जाती है, जिसमें बैलों को भोजन का निमंत्रण देने की मान्यता है। पोला के दिन किसानों ने अपने-अपने घरों में पूरनपोली व विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन एवं मिष्ठान बनाकर बैलों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया।

मंदिरों में मत्था टेक मांगी

सुख-समृद्धि की कामना- भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राहुल जाधव सहित अन्य ग्रामों के किसान रतनसिंह राठौड़, सुभाष चौहान, कन्हैया चौहान और नवल राठौड़ ने बताया कि पोला पर्व किसानों के लिए बेहद पवित्र दिन है। इस दिन बैलों को विश्राम देकर परिवार के सदस्य की तरह पूजा जाता है। किसानों ने अपने बैलों को पास स्थित देवी-देवताओं के मंदिरों में ले जाकर विधि-विधान से पूजा की और श्रीफल (नारियल) चढ़ाकर क्षेत्र में अच्छी फसल, खुशहाली और सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। पोला पर्व के इस आयोजन ने एक बार फिर जिले में ग्रामीण संस्कृति, समृद्ध कृषि परंपरा और किसान-बैल के अटूट आत्मीय संबंध की सुंदर झलक पेश की।

खेत में मृत अवस्था में मिला तेंदुआ वन विभाग में मचा हड़कंप

कटनी। रीठी वन परिक्षेत्र से एक बड़ी खबर सामने आई रीठी देवरी गांव में एक तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया। तेंदुए की मौत की खबर जैसे ही विभाग को लगी हड़कंप मच गया। आनन-फानन में अधिकारी मौके पर पहुंचे और तेंदुए के शव को जप्त कर डॉक्टरों की टीम बुलवाई गई।

मृत तेंदुए का शव परीक्षण कराते हुए विभाग ने अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक रीठी वन परिक्षेत्र के ग्राम देवरी में आज एक किसान के खेत के पास तेंदुए का शव देखा गया। जैसे ही इसकी जानकारी ग्रामीणों के जरिए विभाग तक पहुंची विभाग के अंदर खलबली मच गई। आनन-फानन में वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और तेंदुए के शव को



जप्त कर लिया। बताया जाता है कि तेंदुए की मौत खेत के समीप तारों में फंसने के कारण हुई है। विभाग अब इस बात का पता लगाने में जुट गया है कि खेत के आसपास तार शिकार के मकसद से लगाया गया या फिर कोई और वजह थी। इनका कहना है-रीठी वन परिक्षेत्र के एसडीओ

आईएफएस अधिकारी कार्तिकेय भट्ट ने बात करते हुए कहा की देवरी गांव में तेंदुए की मौत हो जाने की जानकारी सामने आने के बाद तेंदुए के शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों की टीम से करवाया गया है। तेंदुए की मौत किन कारणों से हुई इसकी जांच की जा रही है।

कृषि आदान विक्रेताओं पर सख्ती, 5 के खिलाफ एफआईआर

अमानक बीज-उर्वरक मिलने पर 10 विक्रेताओं के विवरण पर रोक, 3 लाइसेंस निलंबित और 3 निरस्त

नवल किशोर

कटनी। किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं अन्य कृषि आदान उपलब्ध कराने तथा बिना वैध लाइसेंस कारोबार और अवैध भंडारण पर रोक लगाने के लिए जिले में कृषि विभाग का सघन जांच अभियान जारी है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर विभिन्न विकासखंडों में कृषि आदान विक्रेता प्रतिष्ठानों की जांच की जा रही है। जांच के दौरान अनियमितता मिलने पर संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान अब तक 5 विक्रेता संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं 3 विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित, 3 के लाइसेंस निरस्त तथा अमानक कृषि आदान पाए जाने पर 10 विक्रेता संस्थानों के विवरण पर प्रतिबंध लगाया गया है।

बिना लाइसेंस कारोबार पर कार्रवाई- जांच के दौरान बड़वारा विकासखंड के ग्राम परसेल में विपिन कुमार असाठी के यहां उर्वरक का अवैध भंडारण पाए जाने पर एफआईआर दर्ज कराई गई। रीठी के ग्राम मुड़ास स्थित पाण्डेय कृषि केन्द्र द्वारा बिना वैध लाइसेंस बीज का व्यापार किए जाने पर मामला दर्ज किया गया। बहोरीबंद के ग्राम कौड़िया स्थित

अग्रहरी कृषि केन्द्र के विरुद्ध अमानक बीज एवं बिना लाइसेंस कारोबार करने पर एफआईआर की कार्रवाई हुई। इसी प्रकार कटनी विकासखंड के ग्राम पहरूआ स्थित चौहान बीज भंडार द्वारा बिना वैध लाइसेंस बीज एवं कीटनाशक का व्यापार किए जाने पर एफआईआर दर्ज की गई।

अमानक बीज मिलने पर लाइसेंस निरस्त-बड़वारा क्षेत्र के बरही स्थित अंकिता बीज भंडार, मंजा बीज भंडार तथा विजयराघवगढ़ क्षेत्र के कारीतलाई स्थित विश्वकर्मा कृषि केन्द्र के विवरण लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। इसके अलावा बिना लाइसेंस एवं अमानक बीज विक्रय पर बहोरीबंद के कौड़िया स्थित अग्रहरी कृषि केन्द्र, ढीमरखेड़ा के साहू ट्रेडर्स, रीठी के कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी तथा अमानक उर्वरक पाए जाने पर सिलोड़ी के हल्दकार कृषि केन्द्र, मध्यप्रदेश राज्य विपणन संघ कटनी और बड़वारा विकासखंड की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बरसाड़ी पर विवरण प्रतिबंध लगाया गया है। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि बीज, उर्वरक अथवा अन्य कृषि आदानों की गुणवत्ता में कमी, बिना वैध लाइसेंस व्यापार, अवैध भंडारण या अन्य अनियमितता मिलने पर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

गुमशुदगी की सूचना



श्रीमती मीना एकनाथ भांड (उम्र लगभग 75 साल) दिनांक 07/09/2026 से अपने निवास 166, शिवाजी नगर, मालवा मिल, इंदौर से MY हॉस्पिटल के लिए निकली थीं, जो अभी तक घर नहीं लौटी हैं और लापता हैं। यदि किसी को इनके बारे में कोई भी जानकारी मिले, तो कृपया तुरंत सूचित करें।

संपर्क करें: मोबाइल: 7697350143

सत्य की खोज का मार्ग है

सहजयोग संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी ने सहजयोग के संबंध में अपनी पुस्तक 'सहजयोग' में वर्णित किया है कि, "सर्वप्रथम जिज्ञासु होकर, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से व्यक्ति को इस विषय तक पहुंचना चाहिए। परिकल्पना के समान, सम्मान पूर्वक इस विषय का विवेचन होना चाहिए और परीक्षण करने पर यदि सत्य पाया जाये तो निष्कपटता पूर्वक सचित्र लोगों द्वारा यह स्वीकार किया जाना चाहिए, क्योंकि यह विषय व्यक्ति के पूर्ण हित के लिए तथा पूरे विश्व के हित लिए है।" सहजयोग ध्यान धारणा द्वारा जब हम आत्मा 'से एकाकार हो जाते हैं तो हमारे क्रिया कलापों को, विचारों को बुद्धि का नहीं वरन् आत्मा का मार्ग दर्शन प्राप्त होता है। हमारी आदतें विचार, उद्देश्य, आवश्यकताएँ परिवर्तित होने लगती हैं और हम प्रत्येक कार्य में आनन्द का अनुभव करने लगते हैं। सहजयोगी आनंद, प्रेम, करुणा, संगीत, नृत्य व हास्य से भरा हुआ होता है। अतः सहजयोग सामूहिकता द्वारा विकीर्णित चैतन्य



लहरियां अविश्वसनीय होती हैं जिन्हें अनेकों बार श्री माताजी के कार्यक्रम में कैमरे ने कैद किया है। जब हम आत्मा के सत्य को समझ लेते हैं तो अनेक प्रकार के डर व भय समाप्त हो जाते हैं। भगवान श्री कृष्ण ने भी आत्मा के सत्य के विषय में कहा है - 'नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥' (इस आत्मा को शस्त्र नहीं काट सकते, इसको आग नहीं जला सकती, इसको जल नहीं गला सकता और वायु नहीं सुखा सकती । (भगवद्गीता, अध्याय 2 श्लोक 231) कुण्डलिनी शक्ति जब सहस्त्रार की ओर बढ़ती है तो हमारे भीतर अन्तर्शुद्धि की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाती है हमारे चक्रों नाड़ियों में जो भी दोष होते हैं उनका निवारण प्रारम्भ हो जाता है जिससे अनेक बीमारियाँ स्वतः ही ठीक होने लगती हैं। परंतु सहजयोग केवल समस्याओं के समाधान का विकल्प नहीं बल्कि सत्य की खोज का मार्ग है। सहजयोग आत्मज्ञान को प्राप्त कर आत्मनिरीक्षण द्वारा मनुष्यत्व से देवत्व की ओर उत्थान का योग है।

पिछोर क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर लोधी समाज ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, 15 दिन में निराकरण की मांग

हेमंत भार्गव- रणजीत टाइम्स

पिछोर, शिवपुरी। पिछोर विधानसभा क्षेत्र की ज्वलंत जनसमस्याओं को लेकर लोधी समाज पिछोर ने मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिछोर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में क्षेत्र में व्याप्त अवैध शराब, अपराध, भ्रष्टाचार से लेकर किसानों और छात्रों तक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया है। समाज ने प्रशासन को 15 दिन के भीतर सभी समस्याओं के निराकरण की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन की प्रतिलिपि कलेक्टर शिवपुरी, पुलिस अधीक्षक शिवपुरी और एसडीओपी पिछोर को भी भेजी गई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान लोधी समाज पिछोर के पदाधिकारियों ने कहा कि पिछोर क्षेत्र में लंबे समय से कई समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। प्रशासनिक उदासीनता के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल, अवैध शराब और अपराधों पर रोक की मांग- ज्ञापन में सबसे गंभीर मुद्दा क्षेत्र की बिगड़ती कानून व्यवस्था को बताया गया है। लोधी समाज का कहना है कि पिछोर के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री खुलेआम हो रही है। गांव-गांव में अवैध शराब के अड्डे संचालित हो रहे हैं, जिससे युवा वर्ग नशे की लत का शिकार हो रहा है और गांवों का सामाजिक माहौल खराब हो रहा है। प्रशासन और आबकारी विभाग इस पर आंखें मूंदे बैठा है। इसके साथ ही लूट-पाट और चोरी की घटनाओं में भी लगातार वृद्धि हो रही है। किसान

रात-रात भर जागकर अपनी फसलों और घरों की रखवाली करने को मजबूर हैं। समाज ने मांग की है कि पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और अवैध शराब के कारोबारियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि विधानसभा क्षेत्र में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा लगातार अशांति फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे तत्व गांवों में भय का माहौल बना रहे हैं, जिस पर तत्काल अंकुश लगाना जरूरी है।

सोशल मीडिया पर जातिगत वैमनस्य फैलाने वालों पर कार्रवाई की मांग- लोधी समाज ने ज्ञापन में एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दा भी उठाया है। समाज का आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के माध्यम से जातिगत वैमनस्य और नफरत फैलाई जा रही है। जानबूझकर विशेष जाति को टारगेट कर अभद्र टिप्पणियों की जा रही हैं, जिससे समाज में तनाव की स्थिति पैदा हो रही है। प्रशासन से मांग की गई है कि ऐसे लोगों को चिन्हित कर आईटी एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाए।

महोली घटना का जिक्र, आरोपियों पर कार्रवाई की मांग- ज्ञापन में चंदेरी विधानसभा के ग्राम महोली में हाल ही में हुई घटना का भी जिक्र किया गया है। बताया गया है कि महोली में सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की थी। लोधी समाज ने इस घटना को निंदनीय बताते हुए आरोपियों के खिलाफ कठोर प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। समाज का कहना है कि यदि सामाजिक कार्यकर्ता ही सुरक्षित नहीं रहेंगे तो आम

जनता की आवाज कौन उठाएगा।

सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का आरोप- ज्ञापन में सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार को भी प्रमुख मुद्दा बनाया गया है। लोधी समाज का आरोप है कि तहसील, जनपद और अन्य सरकारी कार्यालयों में बिना रिश्वत के कोई काम नहीं होता। किसानों के नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन जैसे राजस्व से जुड़े कामों के लिए महीनों तक चक्कर लगाने पड़ते हैं। अधिकारी-कर्मचारी खुलेआम पैसे की मांग करते हैं। विशेष रूप से राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि नामांतरण, दुरुस्ती और सीमांकन की सैकड़ों फाइलें वर्षों से लंबित पड़ी हैं। गरीब और किसान अपनी फाइलों के लिए कार्यालयों के चक्कर काट-काट कर परेशान हो चुके हैं। मांग की गई है कि पुरानी लंबित फाइलों का 15 दिन के भीतर निराकरण किया जाए और गांव-गांव में शिविर लगाकर मृतक व्यक्तियों के नामांतरण का काम प्राथमिकता से कराया जाए।

उचित मूल्य की दुकानों पर कालाबाजारी और शिक्षा व्यवस्था बदहाल- ज्ञापन में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की खामियों को भी उजागर किया गया है। पिछोर विधानसभा क्षेत्र में संचालित उचित मूल्य की कई दुकानों पर राशन की कालाबाजारी का आरोप लगाया गया है। गरीबों के हक का गेहूं, चावल और केरोसिन खुले बाजार में बेचा जा रहा है। कई जगह हितग्राहियों को पूरा राशन नहीं दिया जाता। समाज ने खाद्य विभाग से इन दुकानों की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

गले में स्टॉल डालकर खींचने से महिला की मौत, हत्या के आरोप में महिला गिरफ्तार

साहिल खान

शहडोल। जिले के सीधी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छकता में एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस के अनुसार ग्राम छकता निवासी रावेन्द्र सिंह गोंड ने 9 सितंबर 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बड़ी मां सुखरनिया सिंह गोंड, उम्र करीब 60 वर्ष, को गांव की रहने वाली मुन्नी बाई गोंड, पति स्वर्गीय जयपाल सिंह गोंड, उम्र करीब 45 वर्ष, ने गले में स्टॉल डालकर खींचते हुए घर के आंगन में ले गई। इस दौरान महिला की मौत हो गई।

फरियादी के अनुसार घटना 9 सितंबर की सुबह करीब 6 बजे ग्राम छकता स्थित मृतका के घर-आंगन में हुई। सूचना मिलने के बाद सीधी थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 202/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी महिला की तलाश शुरू कर दी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी मुन्नी बाई सिंह गोंड, पति स्वर्गीय जयपाल सिंह गोंड, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम छकता, थाना सीधी, जिला शहडोल को 10 सितंबर 2026 को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी महिला को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के अनुसार इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सेवेंद्र रामभगत के नेतृत्व में सउनि दरायाम दुबे, सउनि गुलाब सिंह, सउनि अमेरिका दास दुबे, प्रधान आरक्षक अनिराज सिंह, प्रधान आरक्षक गणेश सिंह, आरक्षक सतीश सिंह एवं आरक्षक जगमोहन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अंधविश्वास एवं झाड़-फूंक के नाम पर महिला से अमानवीय व्यवहार करने वाले बाबा सहित 04 आरोपी गिरफ्तार घटना का विवरण

सलीम हुसैन

दिनांक 08 सितंबर को फरियादिया प्रेमबाई उम्र 52 वर्ष, निवासी गाडियादगाड़, जिला धार की तबीयत खराब होने पर उनके पति गजानंद उन्हें उपचार एवं झाड़-फूंक के लिए ग्राम भेरुपाड़ा स्थित बाबा लक्ष्मण निनामा के पास लेकर गए थे। झाड़-फूंक करने वाले लक्ष्मण पिता रालिया निनामा एवं उसके तीन साथियों द्वारा फरियादिया के शरीर में चुड़ैल होने की बात कहकर उसे एक कमरे में बंद कर दिया गया। इसके बाद आरोपियों द्वारा फरियादिया के साथ थप्पड़-मुक्कों एवं लोहे की सांकल से मारपीट की गई तथा उसके हाथ पर जलता हुआ कंडा रखकर हथेली जला दी गई।

घटना के बाद फरियादिया का उपचार सीएचसी धामनोद में कराया गया। थाना धामनोद पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध धारा 115(2), 118(1), 127(2) एवं 3(5) बीएनएस के तहत शून्य पर



प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। शून्य की एफआईआर थाना रायपुरिया प्राप्त होने पर अपराध क्रमांक 289/2026 में उक्त धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक झाबुआ देवेंद्र पाटीदार द्वारा तत्काल कार्रवाई के निर्देश

दिए गए। उनके निर्देशन एवं एसडीओपी अनुरक्ति साबनानी के नेतृत्व में आरोपीगण की गिरफ्तारी के लिए थाना रायपुरिया एवं चौकी झकनावदा की संयुक्त पुलिस टीम गठित की गई। साथ ही, पीड़िता के कथन दर्ज करने हेतु पुलिस टीम को तत्काल धामनोद खाना किया गया।

इसी क्रम में चौकी प्रभारी झकनावदा सुरेंद्र सिंह सिसौदिया एवं थाना रायपुरिया पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपियों की घेराबंदी कर मुख्य आरोपी झाड़-फूंक करने वाले-

- 1) लक्ष्मण पिता रालु निनामा, निवासी ग्राम भेरुपाड़ा
- 2) कमलेश पिता लक्ष्मण निनामा, निवासी ग्राम भेरुपाड़ा
- 3) बहादुर पिता अंबाराम निनामा, निवासी ग्राम भानगढ़, थाना सरदारपुर

4) दिनेश पिता बंशी भाबर, निवासी ग्राम बंधव, थाना मनावर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा मुख्य आरोपी लक्ष्मण निनामा को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसके द्वारा उक्त घटना को अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर करना स्वीकार किया गया।

प्रकरण में गिरफ्तार सभी आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है। झाबुआ पुलिस द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि बीमारी अथवा किसी अन्य समस्या के उपचार के लिए अंधविश्वास एवं झाड़-फूंक के नाम पर किसी भी प्रकार के अमानवीय कृत्य का सहारा न लें तथा ऐसी घटनाओं की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। पुलिस अधीक्षक झाबुआ देवेंद्र पाटीदार द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

इंदौर में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

खुशबू श्रीवास्तव

बंद मकान से 792 बल्क लीटर अवैध मदिरा बरामद, कीमत करीब 5.50 लाख

इंदौर। जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन और संग्रहण के खिलाफ आबकारी विभाग का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में 10 सितंबर 2026 की सुबह मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर ग्राम बसंदरा, वृत्त सांवेर में एक बंद मकान की तलाशी ली गई। कार्रवाई कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक



आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में की गई। टीम ने मकान की तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा बरामद की। आबकारी विभाग के अनुसार मौके से कुल लगभग 792 बल्क लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई,

जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 5.50 लाख बताई गई है। बरामद मदिरा मध्यप्रदेश में बिक्री के लिए रखी गई थी।

यह कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारियों धर्मेन्द्र जोशी, पवन टीकेकर एवं निधि शर्मा के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक जया मुजाल्दे एवं जयेश वास्केल तथा विभागीय अमले द्वारा की गई। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

चौकी पिटोल थाना झाबुआ पुलिस की अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्रवाई 422 ग्राम गांजा कीमत करीब 5,000/- जप्त एक आरोपी गिरफ्तार



पुलिस अधीक्षक झाबुआ देवेंद्र पाटीदार के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

सलीम हुसैन

झाबुआ प्रतिपाल सिंह महोबिया के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मादक पदार्थों के क्रय-विक्रय परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस चौकी पिटोल, थाना कोतवाली झाबुआ पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि पिटोल बड़ी स्थित महाराजा चौक के पास एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ गांजा अपने

कब्जे में लेकर बिक्री हेतु रखे हुए है। चौकी पिटोल पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 422 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5,000/- है। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली झाबुआ में अपराध क्रमांक 0843/2026 धारा 8/20 NDPS Act के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी-दिनेश पिता मन्नुसिंह बड़दवाल उम्र 53 वर्ष निवासी महाराजा चौक हवेली मोहल्ला पिटोल बड़ी थाना झाबुआ जिला झाबुआ।

इंदौर मंडी में राजस्व और व्यवस्थाओं में बड़ा सुधार

खुशबू श्रीवास्तव

7 सितंबर तक करीब 35 करोड़ राजस्व, पीक सीजन में 70-80 करोड़ की अतिरिक्त आय का अनुमान- इंदौर। कृषि उपज मंडी समिति इंदौर में पिछले कई महीनों से राजस्व और कृषि उपज की आवक में रही गिरावट के बाद अब सुधार के दावे सामने आए हैं। मंडी सचिव श्री ओ.पी. खेड़े द्वारा 23 फरवरी 2026 को पदभार ग्रहण करने के बाद व्यवस्थाओं की समीक्षा कर अप्रैल से अगस्त के बीच कई स्तरों पर सुधारात्मक कदम उठाए गए। मंडी बोर्ड भोपाल ने इंदौर मंडी के लिए 1.5 प्रतिशत मंडी शुल्क के आधार पर वित्तीय वर्ष 2026-27 में 118 करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया है। वहीं मंडी समिति इंदौर ने इससे अधिक 120 करोड़ का वार्षिक राजस्व लक्ष्य तय किया है। प्रेस नोट के अनुसार, 7 सितंबर तक करीब 35 करोड़ का राजस्व अर्जित किया जा चुका है। मंडी का मुख्य पीक सीजन अभी

बाकी है, जिसमें 70 से 80 करोड़ राजस्व प्राप्त होने का अनुमान जताया गया है।

सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था मजबूत-मंडी प्रांगण में लापरवाही, प्रकरण दर्ज नहीं करने और अवैध वसूली से जुड़ी शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए संबंधित कर्मचारियों की ड्यूटी बदली गई और नोटिस जारी किए गए। मंडी प्रशासन का दावा है कि कृषि उपज की चोरी पर प्रभावी रोक लगाई गई है, जिससे किसानों को सुरक्षा मिलने के साथ मंडी शुल्क में भी वृद्धि हुई है। निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए चेकिंग नाकों पर सीसीटीवी कैमरे संचालित किए गए हैं। कर्मचारियों, स्थायी कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी में वास्तविक रोटेशन व्यवस्था लागू की गई है। प्रशासन के अनुसार, इसी व्यवस्था से मंडी की आय और आवक में सुधार देखने को मिला है।

किसानों और मंडी कर्मचारियों के लिए सुविधाएं-मंडी परिसर में बेहतर सुरक्षा एवं आपसी तालमेल के लिए

कर्मचारियों को वॉकी-टॉकी उपलब्ध कराए गए हैं। मंडी कर्मचारियों के लिए जगह-जगह आरओ वॉटर लगाए गए हैं। पुराने एवं गंदे शौचालयों और कृषक भवन की साफ-सफाई के साथ उनका जीर्णोद्धार एवं सुंदरीकरण भी कराया गया है। फल-सब्जी मंडी में जाम से राहत-फल एवं सब्जी मंडी प्रांगण में अनधिकृत ई-रिक्शा और सवारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। मंडी प्रशासन के अनुसार, इससे प्रांगण में जाम की समस्या कम हुई है और मंडी कर्मचारियों को आवागमन में राहत मिली है। 100 मीट्रिक टन तौल कांटे की तैयारी-फल एवं सब्जी मंडी में व्यापारियों की लंबे समय से चली आ रही 100 मीट्रिक टन क्षमता के तौल कांटे की मांग को लेकर भी प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। प्रेस नोट के मुताबिक, दो बार हाईकोर्ट और एक बार मंडी बोर्ड से मामला जीतने के बाद 9 सितंबर 2026 को तौल कांटे के लिए लेआउट जारी किया गया।

मास्टर प्लान लागू कराने भोपाल में मैराथन आयोजित

विधायक मसूद बोले- उज्जैन का आ सकता है तो भोपाल का क्यों नहीं, अरेरा कॉलोनी की सड़कें जल्द बनाएं

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मध्य विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने बुधवार को भोपाल का मास्टर प्लान जल्द लागू करने की मांग को लेकर 'रन-4 मास्टर प्लान' दौड़ आयोजित की। 11 नंबर बस स्टॉप से शुरू हुई इस मैराथन में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, छात्र, व्यापारी और समाज के अलग-अलग वर्गों के लोग शामिल हुए। दौड़ के जरिए शहरवासियों ने भोपाल का मास्टर प्लान तत्काल लागू करने की मांग उठाई।

उज्जैन का प्लान आया, भोपाल क्यों अटका

विधायक आरिफ मसूद ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भोपाल का मास्टर प्लान पिछले दो दशक से अटका हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ही प्रदेश में दो तरह की व्यवस्था चल रही है। जब उज्जैन का मास्टर प्लान आ सकता है तो भोपाल का मास्टर प्लान क्यों नहीं लाया जा सकता? सरकार को भोपाल के साथ दोहरी नीति नहीं अपनानी चाहिए। आरिफ मसूद ने कहा, "हम कुछ नहीं चाहते। बच्चे, नौजवान और महिलाएं सभी एक ही मांग कर रहे हैं कि भोपाल का मास्टर प्लान लाओ। हमारा दूसरा कोई झंडा नहीं है। राजनीतिक विचारधारा को लेकर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन भोपाल के साथ पक्षपात

क्यों किया जा रहा है। दोहरी नीति नहीं चलेगी।"

मास्टर प्लान न होने से परेशानी- मसूद ने कहा कि मास्टर प्लान लागू नहीं होने के कारण व्यापारियों



और आवासीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को लगातार समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। भोपाल की आम जनता परेशान है और व्यापारी दुखी हैं। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द मास्टर प्लान लागू कर जनता को राहत देने की मांग की।

स्पाइडर-मैन मास्क पहनकर दौड़ा युवक- मास्टर प्लान लागू करने की मांग को लेकर हुई इस दौड़ में स्पाइडर-मैन का मास्क पहने एक युवक भी शामिल

हुआ। युवक ने अपना नाम स्पीडी पर बताया। स्पीडी ने कहा, मैं भोपाल में मास्टर प्लान लागू करने की मांग को लेकर आज इस दौड़ में शामिल हुआ हूँ। भोपाल का

सीलिंग कार्रवाई से भी परेशानी

भोपाल में पिछले दो दशकों से मास्टर प्लान अटका होने के कारण जमीन के इस्तेमाल, नए निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों पर भी असर पड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के तहत नगर निगम द्वारा की जा रही सीलिंग कार्रवाई से व्यापारी और संपत्ति मालिक परेशान हैं। शहर में मास्टर प्लान नहीं होने से जमीन के इस्तेमाल और विकास को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुराने नियमों और अदालती आदेशों के तहत हो रही कार्रवाई को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि सड़कों के गड्ढों के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। सरकार को सड़क निर्माण का काम तुरंत शुरू करना चाहिए। सड़क निर्माण के श्रेय को लेकर मसूद ने कहा कि उन्हें इससे कोई मतलब नहीं है कि सड़क निर्माण का भूमिपूजन कौन करेगा या नारियल कौन फोड़ेगा। उन्होंने कहा, "आपको महापौर को बुलाना है तो बुलाओ, जिसको बुलाना है उसे बुलाओ, लेकिन पूरी अरेरा कॉलोनी में जल्द से जल्द सड़क बनाकर लोगों को राहत दो।"

मास्टर प्लान भोपाल के फ्यूचर के लिए बहुत जरूरी है। भोपाल मध्यप्रदेश की राजधानी है। मास्टर प्लान लागू न होने की वजह से ट्रैफिक में बहुत दिक्कत हो रही है और आम जनता को बहुत परेशानी हो रही है।

अरेरा कॉलोनी की सड़कें जल्द बनाएं- विधायक ने अरेरा कॉलोनी और आई-2 से आई-8 क्षेत्र में सीवेज लाइन और अन्य निर्माण कार्यों के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत तत्काल शुरू करने की मांग की।

शिक्षकों ने मांगी वर्षवार और संवर्गवार छूट की सूची; वरिष्ठता प्रभावित होने की जताई आशंका

भोपाल (नप्र)। भोपाल में शिक्षकों की पात्रता परीक्षा (टीईटी) की तैयारियों के बीच सेवारत शिक्षकों ने स्कूल शिक्षा विभाग की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। शिक्षक संघों ने मांग की है कि विभाग स्पष्ट करे कि वर्ष 2018 में अध्यापकों को राज्य शिक्षा सेवा में विधिवत नियुक्ति मिलने के बाद 8 साल बाद टीईटी की अनिवार्यता किस प्रावधान और आधार पर लागू की जा रही है।

अलग-अलग तरीके से हुई नियुक्तियां

प्रदेश में शिक्षकों की नियुक्तियां अलग-अलग चरणों, संवर्गों और पंचायत व नगरीय निकायों के जरिए हुई हैं। कई नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट के आदेश सिविल अपील 4032/1995 के तहत हुई थीं और 2008 में सरकार ने इन शिक्षकों का अध्यापक पद पर संविलियन किया था। इसके बाद वर्ष 2018 में संविधान के अनुच्छेद 309 के तहत गठित राज्य शिक्षा सेवा में इन्हें उच्च माध्यमिक, माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षक के पद दिए गए। शिक्षकों का कहना है कि जब विभाग न्यायालय में भी इनकी विधिवत नियुक्ति स्वीकार कर चुका है, तो अब टीईटी की अनिवार्यता क्यों लागू की जा रही है।



टीईटी से पहले 6 मांगें रखीं

1. वर्षवार-संवर्गवार सूची जारी हो- विभाग लिखित रूप से स्पष्ट करे कि किस वर्ष और किस संवर्ग में नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य है और किन्हें इससे छूट प्राप्त है।
2. पुरानी नियुक्तियों पर स्थिति साफ हो- आर्टीई अधिनियम लागू होने (2009-10) से पहले नियुक्त शिक्षकों और कोर्ट

के आदेश से नियुक्त अध्यापकों की टीईटी को लेकर कानूनी स्थिति सार्वजनिक की जाए।

3. पदोन्नति वालों पर नियम तय हों- 1998 से 2018 के बीच नियुक्त ऐसे शिक्षकों, जिन्हें बाद में पदोन्नति या उच्च पद का प्रभार मिला है, उनकी टीईटी पात्रता मूल नियुक्ति की तारीख से तय होगी या पदोन्नति की तारीख से, यह स्पष्ट किया जाए।

4. परीक्षा की अनुमति के नियम बताएं- सामान्य प्रशासन विभाग के नियमानुसार सेवारत कर्मचारियों के लिए टीईटी में शामिल होने से पहले विभाग से अनुमति लेना जरूरी है या नहीं, इस पर स्थिति साफ की जाए।

5. सेवा लाभ और वरिष्ठता सुरक्षित रहे- शिक्षकों को आशंका है कि टीईटी पास करने पर उनकी पुरानी सेवा, वेतन, पेंशन और वरिष्ठता प्रभावित हो सकती है। विभाग सेवा हितों की सुरक्षा का लिखित आश्वासन दे।

6. विस्तृत लिखित गाइडलाइन जारी हो- टीईटी की पात्रता, छूट, संवर्ग और परीक्षा की वैधता सहित सभी संबंधित बिंदुओं पर विभाग विस्तृत और लिखित दिशा-निर्देश जारी करे।

नियम स्पष्ट नहीं हुए तो बहिष्कार

शिक्षक नेता उपेंद्र कौशल और राजेश मिश्रा ने कहा कि सेवारत शिक्षकों पर एक समान नियम लागू करने से पहले उनकी नियुक्ति की प्रकृति का परीक्षण जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षकों की नियुक्तियां अलग-अलग समय, नियमों और संवर्गों के तहत हुई हैं। शिक्षक संगठनों ने कहा है कि यदि स्कूल शिक्षा विभाग परीक्षा से पहले टीईटी की पात्रता, अनिवार्यता और छूट संबंधी लिखित निर्देश जारी नहीं करता है, तो सेवारत शिक्षक आगामी टीईटी परीक्षा का बहिष्कार करेंगे।

'BRICS से भारत को कोई फायदा नहीं': चिदंबरम

नई दिल्ली। एक तरफ जहां ब्रिक्स समिट की तैयारियां चल रही हैं, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम ने बुधवार को सवाल उठाया कि हाल के ब्रिक्स समिट से भारत को असल

में क्या फायदा हुआ है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें पिछली दो-तीन बैठकों से कोई खास नतीजा देखने को नहीं मिला है। दिल्ली में होने वाले 2026 के ब्रिक्स समिट के बारे में बात करते हुए चिदंबरम ने कहा

कि भारत ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन (SCO), जी20 और क्वाड जैसे कई बहुपक्षीय समूहों का हिस्सा है, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि देश को इनसे क्या ठोस फायदे मिले हैं। चिदंबरम ने

समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, "मुझे नहीं पता कि कितने राष्ट्रपति और कितने प्रधानमंत्री आ रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि पिछले दो-तीन ब्रिक्स सम्मेलनों से कोई ठोस फायदा या ठोस नतीजे निकले हैं।"

जूनियर विमेंस हॉकी एशिया कप: शान से सेमीफाइनल में पहुंचीं भारत की बेटियां

पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा

मोकी (चीन)। भारतीय टीम ने विमेंस जूनियर हॉकी एशिया कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा दिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल का टिकट भी हासिल कर लिया है। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने मैच की शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। टीम को पहला गोल करने में सिर्फ सात मिनट लगे, जब पूजा साहू ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दो मिनट बाद रोशनी ऐंड ने भारत

सिद्धा ने एक और गोल किया और एक मिनट बाद सुप्रिया ने भी मैच का अपना पहला गोल दागा। इसके बाद पूजा मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 49वें और 51वें मिनट में लगातार दो गोल किए और अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत ने पूरे मैच में पाकिस्तान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

कृष्णा शर्मा और बिनिमा धन ने भी गोल किए, जिससे टीम की बढ़त लगातार बढ़ती गई। सुप्रिया ने 54वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा, जबकि



की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अटैक किया, जिससे पाकिस्तान की टीम पर दबाव बढ़ता चला गया। अगले पांच मिनट में भारत ने चार और गोल दाग दिए। तनुश्री दिनेश काडू ने 11वें मिनट में, सुखवीर कौर ने 13वें मिनट में और सानिका चंद्रकांत माने ने भी 13वें मिनट में गोल किया।

मधु सिद्धा और गीता यादव ने भी गोल कर टीम की बढ़त और बढ़ा दी। वहीं, सानिका माने ने 23वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके भारत की मजबूत स्थिति को और मजबूत कर दिया। भारत ने पहले हाफ में अपना दबदबा पूरी तरह बनाए रखा। तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल करके टीम की बढ़त को और मजबूत किया।

इसके बाद 33वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने भी गोल दागा, जिससे भारत ने हाफ-टाइम तक 10-0 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हाफ की शुरुआत के बाद भी भारतीय टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा। 39वें मिनट में मधु

रोशनी ने मैच के आखिरी मिनट में गोल करके अपना दूसरा गोल पूरा किया और भारत की शानदार जीत पर मुहर लगा दी। भारत की यह 19-0 की बड़ी जीत कोई हैरानी की बात नहीं थी, क्योंकि टीम ने ग्रुप चरण में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। भारत ने जापान, मलेशिया और साउथ कोरिया जैसी मजबूत टीमों को हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

अब भारतीय टीम सेमीफाइनल में साउथ कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत लगातार तीसरी बार जूनियर महिला एशिया कप का खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर है। टीम ने 2023 और 2024 में भी यह ट्रॉफी अपने नाम की थी।



जूनियर एशिया कप हॉकी

अनमोल एक्का के छह गोल की मदद से भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुंची

मोकी। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने बुधवार को यहां अपने आखिरी पूल ए मैच में चीनी ताइपे को 15-0 से आसानी से हराकर एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत की तरफ से कप्तान अनमोल एक्का ने छह गोल किए। एक्का ने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से किए। एक्का के गोलों की वजह से ही भारत ने बिना गोल वाले शुरुआती क्वार्टर को एकतरफा मुकाबले में बदल दिया। इस जीत से भारत तीन जीत और एक ड्रॉ से 10 पॉइंट्स के साथ पूल ए में टॉप पर पहुंच गया। मैच में भारत ने गेंद पर दबदबा बनाए रखा और शुरुआती 15 मिनट में कई मौके बनाए, लेकिन चीनी ताइपे के मजबूत डिफेंस को भेद नहीं पाया। आखिरकार 17वें मिनट में



सफलता मिली जब आर्यन जेस ने पहला गोल किया, और एक मिनट बाद प्रभदीप सिंह ने बढ़त दोगुनी कर दी। 22वें मिनट में गुरसेवक सिंह ने स्कोर 3-0 कर दिया, जिसके तीन मिनट बाद एक्का ने अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदला। अर्जुन संतोष हरगुडे ने 28वें मिनट में एक और गोल किया, और कुछ ही देर बाद एक्का ने फिर गोल किया, जिससे भारत हाफ-टाइम में 6-0 की बढ़त के साथ गया। तीसरा क्वार्टर पूरी तरह से भारत के नाम रहा। एक्का ने अपनी हैट्रिक पूरी करने के लिए दो शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले और फिर एक और गोल करके अपनी संख्या चार कर ली। अजीत यादव ने भी 35वें मिनट में गोल किया, जिसके बाद एक्का ने 45वें मिनट में फिर से गोल करके अपना स्कोर पांच कर दिया और भारत को डबल फिगर में पहुंचा दिया। आखिरी क्वार्टर में हरपाल ने 48वें मिनट में गोल किया, जिसके तीन मिनट बाद एक्का ने एक और सफल पेनल्टी कॉर्नर के साथ अपना शानदार छह गोल का आंकड़ा पूरा किया। हरपाल ने इसके तुरंत बाद अपना दूसरा गोल किया, जबकि आर्यन जेस ने मैच का अपना दूसरा गोल करके भारत को 15-0 से जीत दिलाई।

फ्रांसेस टियाफो सेमीफाइनल में, शुरुआत 2 सेट में हार के बाद एलेक्स मिशेलसन को हराया

न्यूयॉर्क। अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने हमवतन एलेक्स मिशेलसन को हराकर यूएस ओपन 2026 के एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टियाफो ने दो सेट गंवाने के बाद यादगार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और अंतिम चार में जगह सुनिश्चित की। टियाफो तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ग्यारहवीं सीड टियाफो को शुरुआत के दो सेट में दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मिशेलसन ने हराया। टियाफो तीसरे सेट में भी 5-3 से पिछड़ रहे थे। ऐसा लग रहा था कि टियाफो मौजूदा टूर्नामेंट का अपना करिश्मा खो रहे हैं, लेकिन उसी समय उन्होंने वापसी की। उन्होंने न सिर्फ तीसरा सेट जीता, बल्कि मुकाबला भी अपने नाम किया।



टियाफो ने 10-पॉइंट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल की और 4 घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को 5-7 3-6 7-5 6-3 7-6 (10-6) से अपने नाम किया। इस दौरान टियाफो को भीड़ का जोरदार समर्थन मिला। 22 साल के मिशेलसन अपना पहला क्वार्टर फाइनल खेल रहे थे। विजयी शुरुआत के बाद मिली हार ने उन्हें बेहद निराश कर दिया था। मैच समाप्ति के बाद मिशेलसन अपने आंसू नहीं रोक सके और टियाफो के गले लगकर रोने लगे। टियाफो ने कहा, 'वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह आसानी से जीत सकता था। एलेक्स मिशेलसन को सलाम।' 'सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद टियाफो ने पहली बार फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जताई।

ज्यादा देसी घी से गॉल ब्लैडर में पथरी? जानिए क्या है सच

देसी घी को भारतीय खानपान में लंबे समय से पौष्टिक और सेहतमंद माना जाता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसे जितना चाहें उतना खाया जा सकता है। सवाल यह है कि क्या ज्यादा देसी घी सीधे गॉल ब्लैडर यानी पित्त की थैली में पथरी बना देता है? सीधी बात यह है

कि सिर्फ देसी घी को गॉल ब्लैडर की पथरी का एकमात्र कारण मानना सही नहीं है। पित्त की पथरी आमतौर पर पित्त में कोलेस्ट्रॉल या अन्य पदार्थों के असंतुलन से बनती है। मोटापा, मेटाबोलिक सिंड्रोम, डायबिटीज, परिवार में पथरी का इतिहास और तेजी से वजन कम होना इसके महत्वपूर्ण

जोखिम कारक हैं। हालांकि, बहुत अधिक कैलोरी और अस्वास्थ्यकर वसा वाला खानपान जोखिम बढ़ाने वाले पैटर्न का हिस्सा हो सकता है। इसलिए घी को पूरी तरह बंद करने के बजाय मात्रा और पूरे आहार पर ध्यान देना ज्यादा महत्वपूर्ण है। NIDDK भी फाइबरयुक्त भोजन बढ़ाने, चीनी

और रिफाईंड कार्बोहाइड्रेट कम करने तथा स्वस्थ वसा को प्राथमिकता देने की सलाह देता है। किन लोगों को ज्यादा सावधान रहना चाहिए? पहले से गॉल ब्लैडर में पथरी है वजन अधिक है या पेट के आसपास चर्बी ज्यादा है डायबिटीज या इंसुलिन रेजिस्टेंस है।



बिहार में 8 नदियां उफान पर

14 जिलों में बाढ़, 40 लाख लोग प्रभावित

यूपी के 3 जिलों में स्कूल बंद, उत्तराखंड के पौड़ी में लैंडस्लाइड, एमपी में बारिश थमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में गंगा समेत 8 नदियां उफान पर हैं। राज्य के 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इससे करीब 35.89 लाख लोग प्रभावित हैं। कोसी, गंडक और घाघरा नदियां लाल निशान से ऊपर बह रही हैं। सारण में माही नदी पर बना जमींदारी बांध टूटने से स्थिति गंभीर हो गई है। उत्तर प्रदेश में बारिश के चलते लखीमपुर और बरेली में कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। वाराणसी में प्री-प्राइमरी से कक्षा 5 तक के सभी स्कूल बंद रहेंगे, जबकि कक्षा 6 से 12 तक के स्कूल सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेंगे। आज वाराणसी और प्रयागराज समेत 23 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

उत्तराखंड के पौड़ी में लैंडस्लाइड के कारण घरों और दुकानों में दरारें आ गई हैं। पहाड़ी जिलों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

इधर, मध्य प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर 3 दिन का ब्रेक लिया है। मौसम विभाग, भोपाल ने 11 सितंबर तक प्रदेश में कहीं भी भारी बारिश का अनुमान नहीं जताया है।

बिहार में बाढ़ से 40 लाख लोग प्रभावित- बिहार में पिछले 5 दिनों से हो रही तेज बारिश के बाद 14 जिलों में 40.21 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कई नदियां



खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, 14 जिलों के 84 प्रखंडों की 514 ग्राम पंचायतों में बाढ़ का असर है।

पश्चिम बंगाल के मालदा में गंगा का जलस्तर बढ़ा- पश्चिम बंगाल के मालदा में गंगा का जलस्तर बढ़ने से महानंदा टोला और आसपास के इलाकों में बाढ़ और तेज कटाव की स्थिति बनी हुई है।

लखनऊ से सटे बाराबंकी में दूरसंचार केंद्र सरयू में समाया, फर्रुखाबाद में कड़ाही को नाव बनाया

यूपी में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। लखनऊ से सटे बाराबंकी में सरयू का कटान तेज हो गया है। मंगलवार को दूरसंचार केंद्र नदी में समा गया। फर्रुखाबाद में गंगा का पानी गांवों में घुस गया। लोग बड़ी कड़ाही को नाव बनाकर आवाजाही कर रहे हैं। 10 दिन में 15 मकान गंगा में समा चुके हैं। प्रयागराज में हनुमान मंदिर अब पानी से घिरा हुआ है। 10वें दिन भी लेटे हनुमानजी जलमग्न हैं। कानपुर और उन्नाव में पांडु नदी का पानी बस्तियों में घुस गया है। गलियों में नावें चल रही हैं। बिजनौर में गंगा नदी के बाढ़ के पानी के साथ मगरमच्छ रिहाइशी इलाके में पहुंच गया। गांव वालों ने उसे रस्सी से बांधकर वन विभाग को सौंप दिया। बलिया में सरयू की बाढ़ में कारें और बाइकें डूब गईं। इधर, बुधवार सुबह से प्रयागराज, कौशांबी, भदोही समेत 10 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। पूर्वी यूपी के ज्यादातर शहरों में बादल छाए हैं।

निवेशकों को देंगे आवश्यकतानुसार नीतियां पॉलिसी में छूट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश उद्योग क्षेत्र में आशाओं और असीम अवसरों की धरती

900 कानूनों को समाप्त कर उद्योग और व्यापार व्यवसाय क्षेत्र को बनाया सुगम और सरल

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के विकास के लिए 2700 से अधिक नियमों और लगभग 900 कानूनों को समाप्त कर उद्योग और व्यापार-व्यवसाय क्षेत्र को सरल, सुगम बनाने का प्रयास किया है। इस कदम से उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण बना है। निर्धारित नीतियों के अंतर्गत और आवश्यकता होने पर निवेशकों को नीतियों में आवश्यक छूट दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को दुबई में इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कार्य पद्धति के आधार पर दुनियाभर में रहने वाला भारतीय समुदाय आज स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते राज्य को विकास के नए आयाम दिए। अब उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद दुनिया हमारी अर्थव्यवस्था की शक्ति देख रही है। दुबई वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र माना जाता है। यूएई से अफ्रीका और एशिया के साथ यूरोप में व्यापार होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश दुनिया का इकलौता राज्य है, जहां हीरे



और स्वर्ण भंडार मौजूद है। अफ्रीका के बाद मध्यप्रदेश एक मात्र धरती है, जहां कटनी और सिंगरौली में सोने की खदान मिली है। मध्यप्रदेश में माइनिंग क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। निवेशक यहां आए और अपने व्यापार-व्यवसाय के राज्य को समृद्ध बनाएं। होटल

व्यवसाय शुरू करने पर मध्यप्रदेश सरकार 30 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी उपलब्ध करवा रही है। दुनिया की सबसे सस्ती बिजली 2.17 पैसे प्रति यूनिट बिजली मध्यप्रदेश उपलब्ध करवा रहा है। हमारी सरकार ग्रीन एनर्जी को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आशाओं और असीम संभावनाओं की धरती है। नवाचार, विकास और साझा समृद्धि की सोच हमें जोड़ती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को जीआईएस-2027 का निर्माण देते हुए कहा कि देश की सबसे अच्छी एंविपेशन पॉलिसी मध्यप्रदेश में है। मध्यप्रदेश से यूएई और अबुधाबी के लिए सीधी एयर कनेक्टिविटी हो गई है। हमारी सरकार प्रति फ्लाइट वीजीएफ भी दे रही है। अगले महीने प्रदेश से शारजाह से भी उड़ान सेवा शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उनकी निरंतर दूसरे वर्ष दुबई की यात्रा है। इसके पहले पर्यटन निगम के अध्यक्ष के नाते भी दुबई आने का अवसर मिला था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं और प्रदेश की विशेषताओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

उज्जैन के खड़े हनुमान जी ने कैसे जमाए पांव

आईआईटी इंदौर के एक्सपर्ट बताएंगे बजरंग बली के सामने क्यों फेल हुईं क्रेन

उज्जैन (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के धार्मिक शहर उज्जैन से एक ऐसा हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ इंजीनियरों को भी सोच में डाल दिया है। सड़क चौड़ीकरण की जद में आए करीब 170 साल पुराने 'खड़े हनुमान मंदिर' की प्रतिमा को हटाने के लिए प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन क्रेन, जेसीबी और दर्जनों मजदूरों के पसीने छूटने के बावजूद प्रतिमा अपनी जगह से एक इंच भी नहीं हिल सकी। 10 दिनों तक चली तमाम असफल कोशिशों के बाद अब प्रशासन ने तकनीकी विशेषज्ञों का सहारा लिया है। इस घटना ने न सिर्फ स्थानीय स्तर पर सनसनी फैला दी है, बल्कि इसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंच रहे हैं।



राजजित टाइम्स

आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने माना मायावती का आदेश, राजनीति से लिया संन्यास

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी में आकाश आनंद को लेकर चल रहा सियासी घटनाक्रम अब एक और मोड़ पर पहुंच गया है।

मायावती की शर्त के बाद आकाश आनंद के

ससुर और पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ ने राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने मायावती को संबोधित करते हुए अपने फैसले की जानकारी दी। दरअसल, मायावती ने

बुधवार को कहा था कि यदि अशोक सिद्धार्थ अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा छोड़कर पूरी तरह राजनीति से संन्यास लेते हैं, तभी आकाश आनंद को बसपा में दोबारा जिम्मेदारी देने पर

सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। मायावती ने सिद्धार्थ पर पार्टी और बहुजन आंदोलन से ज्यादा निजी हितों को महत्व देने का आरोप भी लगाया था।